



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (II)

PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 214] नई दिल्ली, बुध्दिवार, मई 19, 1977, वैशाख 29, 1899

No. 214] NEW DELHI, THURSDAY, MAY 19, 1977/VAISAKHA 29, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 20th May 1977

S O. 364 (E)/15A/IDRA/77.—Whereas Messrs. Dr Paul Lohmann (India) Limited, Calcutta, owning an industrial undertaking at 145/1, Jessore Road, Calcutta—700055, is being wound up by the Calcutta High Court and the business of this company is not being continued,

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is necessary in the interests of the general public, and in particular, in the interests of production, supply and distribution of articles manufactured in the said industrial undertaking, to investigate into the possibility of restarting the aforesaid industrial undertaking,

And, whereas on an application made by the Central Government under section 15A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), to the Calcutta High Court praying for permission to make an investigation into such possibility, the Calcutta High Court has by an order dated the 31st January, 1977, granted the requisite permission,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15A of the industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints Shri M. K. Kar Gupta, Secretary, Closed and sick Industries Department, Government of West Bengal, for the purpose of making an investigation into the possibility of restarting the aforesaid industrial undertaking.

The above person shall submit his report to the Central Government by the 31st July, 1977.

[No F. 4/8/72-CUC]

A. K. GHOSH, Addl. Secy

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 20 मई, 1977

का० आ० 364 (अ)/15ए/आई डी आर ए/77—मेसर्स डा० पॉल लोहमन् (इन्डिया) लिमिटेड, कलकत्ता का, जिनके स्वामित्वाधीन 145/1, जेस्सोर रोड, कलकत्ता-700055 पर एक औद्योगिक उपक्रम है, कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा, परिसमापन किया जा रहा है और इस कम्पनी का कारबार खालू नहीं रखा जा रहा है,

और, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि साधारण जनता के हित में, और विशेषकर उक्त औद्योगिक उपक्रम में विनिर्मित वस्तुओं के उत्पादन, पूर्ति और वितरण के हित में पूर्वोक्त औद्योगिक उपक्रम को पुन चालू करने की सम्भावना का अन्वेषण करना आवश्यक है,

और, केन्द्रीय सरकार द्वारा, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15क के अधीन, कलकत्ता उच्च न्यायालय को, ऐसी सम्भावना के सबध में अन्वेषण करने की अनुज्ञा के लिए प्रार्थना करते हुए आवेदन करने पर, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तारीख 31 जनवरी, 1977 के आदेश द्वारा अपेक्षित अनुज्ञा दे दी है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री एम० के० कार गुप्त, सचिव, बन्द और रूग्ण उद्योग विभाग, पश्चिमी बंगाल सरकार, को पूर्वोक्त औद्योगिक उपक्रम को पुन चालू करने की सम्भावना का अन्वेषण करने के प्रयोजनार्थ नियुक्त करती है।

उपरोक्त व्यक्ति 31 जुलाई, 1977 तक केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

[स० फा० 4/8, 72 सी०यू०सी०]

ए० के० घोष, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियन्त्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977